गोलू चालीसा

॥ दोहा ॥

बुद्धिहीन हूँ नाथ मैं,
करो बुद्धि का दान।
सत्य न्याय के धाम तुम,
हे गोलू भगवान॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

जय काली के वीर सुत,
हे गोलू भगवान।
सुमिरन करने मात्र से,
कटते कष्ट महान॥

जप कर तेरे नाम को,
खुले सुखों के द्वार।
जय जय न्याय गौरिया
नमन करे स्वीकार॥

॥ चौपाई ॥
जय जय ग्वेल महाबलवाना।
हम पर कृपा करो भगवाना॥

न्याय सत्य के तुम अवतारा।
दुखियों का दुख हरते सारा॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

द्वार पे आके जो भी पुकारे।
मिट जाते पल में दुख सारे॥

तुम जैसा नहीं कोई दूजा।
पुनित होके भी बिन सेवा पूजा॥

शरण में आये नाथ तिहारी।
रक्षा करना हे अवतारी॥

माँ की सौत थी अत्याचारी।
तुमको कष्ट दिये अतिभारी॥

झाड़ी में तुमको गिरवाया।
विविध भांतिथा तुम्हे सताया॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

नदी मध्य जल में डुबवाया।
फिर भी मार तुम्हें नहीं पाया॥

सरल हृदय था धेवरहे का।
हरिपद रति बहुनिगुनविवेका॥

भाना नाम सकल जग जाना।
जल में देख बाल भगवाना॥

मन प्रसन्न तन कुलकित भारी।
बोला जय हे नाथ तुम्हारी॥

कर गयी बालक गोद उठायो।
हृदय लगा किहीं अति सुख पायो॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

मन प्रसन्न मुख वचन न आवा।
मन हूँ महानिधि धेवर पावा॥

उरततेहि शिशु द्रिह ले आयो।
नाम गौरिया तब रखवायो॥

सकल काज तज शिशु संगरहयी।
देखी बाल लीला सुख लहयी॥

करत खेल या चरज अनेका।
देखी चकित हुई बुद्धि विवेका॥

ध्यालु कथा सुनी जब काना।
देखन चले ग्वेल भगवाना॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

देखनपति बालक मुस्काया।
जन्मकाल यें कांड सुनाया॥

सौतेली जननी की करनी।
ग्वेल पति संग मुख सब बरनी॥

निपति ग्वेल निज हृदय लगायो।
प्रेम पुरत नय नन जल पायो॥

चल हूँ तात अब निजरज धामी।
दंड देव में सातों: रानी॥

काट - काट सिर कठिन कृपाना।
कुटिल नारी हरि लेहूँ में प्राणा॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

हृदय कम्प ऊपजा अति क्रोधा।
दंड देहु सुत नारी अबोधा॥

सुन हूँ तात एक बात हमारी।
क्षमा करोहुँ ये सब नारी बिचारी॥

हम ही देखी होई मृतक समाना।
जब लगी जियें पड़ी पछताना॥

अयशतात केहि कारण लेहूँ।
मात सौत कह दंड न देहुँ॥

दया वन्त प्रिय ग्वेल सुझाना।
मनुज नहीं तुम देव महाना॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

अमर सदा हो नाम तुम्हारा।
ग्वेल गौरिया गोलू प्यारा॥

राज करहुँ चम्पावत वीरा।
हरहुँ तात जन-जन की पीरा॥

मात - पिता भय धन्य तुम्हारें।
उदय आज हुए पुण्य हमारे॥

पितुआ ज्ञाधर सविनय शीशा।
ग्वेल बनें चम्पावत ईशा॥

सत्य न्याय है तुम्हें प्यारा।
तीनों हित तुमने कनधारा॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

दुखियों के दुख देखन पाते।
सुनी पुकार तुम उस थल जाते॥

विश्व विविध है न्याय तुम्हारे।
निर्बल के तुम एक सहारे॥

चितई नमला मंदिर तेरे।
बजते घंटे जहाज घनेरे॥

घोड़ाखाल प्रिय धाम तुम्हारा।
चमड़खान तुमको अति प्यारा॥

ताड़ीखेत में महिमा न्यारी।
चम्पावत रजधानी प्यारी॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

गाँव - गाँव में थान तुम्हारें।
न्याय हेतु जन तुम ही पुकारें॥

सदा कृपा करना हे स्वामी।
ग्वेल देव हे अन्तर्यामी॥

ये दस बार पाठ कर जोई।
विपदा टरें सदा सुख होई॥

॥ दोहा ॥
जय गोलू जय गौरिया,
जय काली के लाल।
मौसानी ना कर सकी,
तेरा बांका बाल॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

सुमिरन करके नाम का,

मिटते कष्ट हजार।

जय हे न्यायी देवता,

हे गोलू अवतार॥

हिन्दीपथ.कॉम

अन्य चालीसा पढ़े

- हनुमान चालीसा
- शिव चालीसा
- दुर्गा चालीसा
- शनि चालीसा
- गणेश चालीसा
- लक्ष्मी चालीसा
- राम चालीसा
- विष्णु चालीसा
- गायत्री चालीसा
- काली चालीसा
- भैरव चालीसा
- सरस्वती चालीसा
- कृष्ण चालीसा
- सूर्य चालीसा
- महावीर चालीसा
- साईं चालीसा
- महाकाली चालीसा
- तुलसी चालीसा
- बगलामुखी चालीसा
- गोरख चालीसा
- गोपाल चालीसा
- नवग्रह चालीसा
- रविदास चालीसा
- बाला जी चालीसा
- महालक्ष्मी चालीसा
- पार्वती चालीसा

- खाटू श्याम चालीसा
- रामदेव चालीसा
- राधा चालीसा
- विश्वकर्मा चालीसा
- पितर चालीसा
- बटुक भैरव चालीसा
- जाहरवीर चालीसा
- गिरिराज चालीसा
- नर्मदा चालीसा
- प्रेतराज चालीसा
- संतोषी चालीसा
- गंगा चालीसा
- चामुंडा देवी
- शारदा चालीसा
- ललिता चालीसा
- अन्नपूर्णा चालीसा
- श्री वैष्णो चालीसा
- परशुराम चालीसा
- विन्ध्येश्वरी चालीसा
- ब्रह्मा चालीसा
- शाकम्भरी चालीसा
- राणी सती चालीसा
- गंगाराम चालीसा
- बालक नाथ चालीसा
- मोहन राम चालीसा
- शीतला चालीसा
- वीरभद्र चालीसा
- मनसा देवी

- कैला चालीसा
- नरसिंह चालीसा
- ज्वाला चालीसा
- नैना देवी चालीसा
- जीण चालीसा
- कुबेर चलीसा
- चित्रगुप्त चालीसा
- गोलू चालीसा
- जीण चालीसा
- झूलेलाल चालीसा
- करणी चालीसा

हिन्दीपथ.कॉम